Washim District Police

Nature of Work **:- Helping people in distress situation**

Police Station **:- Washim Police**

Date of Good Work done **:- 29/04/2023**

Brief of the work done :-

पालावरच्या शाळाबाह्य मुलांच्या आयुष्यात 'शिक्षणाची' ज्योत; 'खाकितील आधुनिक सावीत्री' जपतेय माणुसकीचा वारसा.

लोकमत समाचार

मानवता की खुशबू से महक रही पुलिस की वर्दी

समाज सेवा के प्रति समर्पित हैं पुलिस कर्मी संगीता ढोले, : घुमंतू बच्चों को दे रहीं शिक्षा

शेख अन्सारोद्दीन

मंगरूलपीर : 'ऊंची जिसकी उड़ान हो, कदमों में आसमान हो, वो क्या रोकेंगे मंजिल उसकी, जिसके ख्वाबों में जहान हो''

आज 21वीं सदी को नारी सदी के रूप में देखा जा रहा है. पहले जहां महिलाएं सिर्फ परिवार तक सीमित थीं, आज वे अपने कार्यक्षेत्र में निष्ठापूर्वक अपना कर्तव्य निभाने के साथ-साथ समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने में भी पीछे नहीं हैं. ऐसी ही हैं वाशिम पुलिस विभाग में तैनात महिला पुलिस कर्मी संगीता मारोती ढोले. वाशिम के टोनगांव निवासी उनके पिता दैनिक श्रम करके अपने जीवन की गाड़ी चलाते हैं. भले ही वह स्वयं शिक्षित न हों लेकिन शिक्षा के महत्व को अच्छी तरह समझते हैं, इसलिए मारोती ढोले ने अपनी सबसे छोटी बेटी संगीता को शिक्षा के लिए वाशिम भेजा. संगीता को पुलिस की वर्दी में देखना, उनका सपना था. संगीता ने एमएसडब्ल्यू के बाद वकील बनने के लिए शिक्षा ली. संगीता को पढ़ाई के समय काफी मुश्किल का सामना करना पड़ा. फिर 2007 में पुलिस में भर्ती हो गईं. वे वाशिम में जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय के महिला शिकायत निवारण प्रकोष्ठ में शामिल हो गईं. हालांकि संगीता ढोले का सपना तो झुग्गी-झोपड़ी और भिखारियों के बच्चों को शिक्षित करना था. कोरोना और लॉकडाउन में महिलाओं, समाज में गरीब, पिछड़े व जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए निरंतर काम किया.

इसके पीछे एक लंबी दास्तान है जो मौजूदा दौर में भी जारी है. अपना कर्तव्य से लेकर सामाजिक दायित्वों तक के निर्वहन में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं. बेटियों को सही मार्गदर्शन, महिलाओं व बालिकाओं को सही खान-पान के प्रति जागरुक करना,

बेटी पढ़ाओ-बेटी बचाओ के तहत-कन्या भ्रूण हत्या को रोकने, बाल विवाह की रोकथाम की जागरुकता पर लगातार अभियान चलाना, महिलाओं की स्किल डेवलपमेंट व आत्मनिर्भर बनाना, महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरुकता कार्यक्रम आयोजित करना, घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को मार्गदर्शन देना आदि कार्य कर रही हैं. संगीता ढोले गरीब,घुमंतू परिवारों के लिए मसीहा बनी हुई हैं. गरीब परिवारों की महिलाओं एवं बच्चों को मुफ्त में प्रशिक्षण दिलाने के साथ ही बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक के जीवन में शिक्षा का उजियारा लाने में जुटी हैं. बच्चों की शिक्षा के लिए कभी शुल्क तो कभी पाठ्य सामग्री वितरित करती रहती हैं.